केन्द्रीय विद्यालय संगठन (जयपुर संभाग)		
अंकतालिका	**मासिक परख – अगस्त, 2022-23**	
	विषय–हिंदी (आधार) विषय कोड–302	
निर्धारित समय : 90 मिनट	कक्षा–बारहवीं	अधिकतम अंक-40

<u>सामान्य निर्देश –</u>

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णानात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उसे उचित अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी धारणा के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	**पठित काव्यांश एवं गद्यांश**	**अंक**
प्रश्न 1.	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :- 1. कविता की तुलना किसके साथ की गई है ? (ग)फूल के साथ 2. कविता के खिलने का क्या अर्थ है ? (ख) नए भाव और अर्थ ग्रहण करके विकसित होना 3 'कविता के बहाने' कविता के अनुसार बिना मुरझाए कौन महकता है ? (घ) कविता 4. कविता की एक बार रचना होने पर क्या होता है ? (ख) कविता अनंतकाल तक अपना अस्तित्व बनाए रखती है 5. 'फूल क्या जानें? इस पंक्ति मे अलंकार है ? (घ) प्रश्न अलंकार	5x1=5
प्रश्न 2.	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :- 1. पहलवान चाँद सिंह के गुरु का क्या नाम था ? (ग) बादल सिंह . 2.लुट्टन ने पहलवान चाँद सिंह को कहाँ के दंगल में हराया था ? (ख) श्याम नगर के 3. लुट्टन ने किसकी प्रेरणा से कुश्ती में विजय प्राप्त की ? (घ) ढोलक की 4. चाँद सिंह किस टायटिल को सत्य प्रमाणित करने के लिए दहाड़ता था ? (घ)शेर के बच्चे 5. कुश्ती देखकर किसकी नसों में बिजली उत्पन्न हो गई थी? (ग) लुट्टन की	5X1=5

	अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 3.	निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए 1.पत्रकारों के कितने प्रकार माने गए हैं ? (क) तीन 2. किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाले पत्रकार क्या कहलाता है ? (ग) अंशकालिक पत्रकार 3. समाचार लेखन की प्रचलित शैली को किस नाम से जाना जाता है ? (क) उलटा पिरामिड – शैली 4. समाचार लेखन के लिए कितने ककार आवश्यक हैं ? (घ) छह 5. फ़ीचर से क्या अभिप्राय है ? (ग) फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है 6. संपादकीय लेखन में संपादक का नाम न लिखने का क्या कारण है ? (ख) संपादकीय में व्यक्ति विशेष के विचार न होकर पूरे समाचार पत्र समूह की आवाज होती है-	5×1=5
	अनुपूरक पुस्तक वितान -2	
प्रश्न 4.	निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए 1- 'जूझ', पाठ के मुख्य पात्र का क्या नाम है ? (ग)-आनंदा 2-'जूझ' पाठ किस विधा में लिखा गया है ? (ग)-आत्मकथात्मक उपन्यास 3. 'जूझ' कहानी का शीर्षक किस संघर्ष की अभिव्यक्ति है ? (ख)-आनंदा का शिक्षा के लिए संघर्ष | 4- 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता ने उसे विद्यालय भेजने के लिए क्या शर्त रखी? (घ)- उपर्युक्त सभी 5.-मराठी अध्यापक के अध्यापन से लेखक में क्या नए परिवर्तन आए? (घ)-उपर्युक्त सभी 6."अब तू जा, कहना जीमने बुलाया है।"यहाँ जीमने का क्या अर्थ है? (ग) भोजन करना	5×1=5
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक 'आरोह' (भाग–2)**	**अंक**
प्रश्न 5.	निम्नलिखित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 के उत्तर दीजिए।	2+2=4

(I)	उत्तर : 'भाषा को सहूलियत' से बरतने का आशय है – सीधी, सरल एवं सटीक भाषा के प्रयोग से है।	
(II)	उत्तर:- कविता कालजयी होती है उसका मूल्य शाश्वत होता है जबकि फूल बहुत जल्दी मुरझा जाते हैं।	
(III)	उत्तर:- 'हम समर्थ शक्तिवान' के माध्यम से कवि ने मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता पर व्यंग किया है जो स्वयं को पूर्ण मान कर, एक अपाहिज व्यक्ति को दुर्बल समझने का अहंकार पाले हुए हैं।	
प्रश्न 6.	निम्नलिखित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 के उत्तर दीजिए।	3+3=6
(I)	उत्तर : दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार, व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिखाया जाता है। दूरदर्शन पर एक अपाहिज व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को कुरेदा जाता है, साक्षात्कारकर्ता को उसके निजी सुख दुख से कुछ लेना-देना नहीं होता है। यहाँ पर कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकतर कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता का दिखावा करते हैं।	
(II)	उत्तर:- कवि कहते हैं कि एक बार वह सरल सीधे कथ्य की अभिव्यक्ति में भाषा के चक्कर में ऐसा फँस गया कि भाषा के चक्कर में वे अपनी मूल बात को प्रकट ही नहीं कर पाया और उसे कथ्य ही बदला-बदला सा लगने लगा। कवि कहता है कि जिस प्रकार जोर जबरदस्ती करने से कील की चूड़ी मर जाती है और तब चूड़ीदार कील को चूड़ी विहीन कील की तरह ठोंकना पड़ता है उसी प्रकार कथ्य के अनुकूल भाषा के अभाव में कथन का प्रभाव नष्ट हो जाता है।	
(III)	उत्तर:- पंछी की उड़ान और कवि की कल्पना की उड़ान दोनों दूर तक जाती हैं। कवि की कविता में कल्पना की उड़ान होती है। इसीलिए कहा गया है – 'जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि' जिस प्रकार फूल खिलकर अपनी सुगंध एवं सौंदर्य से लोगों को आनंद प्रदान करता है उसी प्रकार कविता सदैव खिली रहकर लोगों को उसका रसपान कराती है।	
प्रश्न 7.	निम्नलिखित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 के उत्तर दीजिए।	2+2=4
(I)	उत्तर:- ढोल की आवाज़ से रात की विभीषिका और सन्नाटा कम होता था महामारी से पीड़ित लोगों की नसों में बिजली सी दौड़ जाती थी, उनकी आँखों के सामने दंगल का दृश्य साकार हो जाता था और वे अपनी पीड़ा भूल खुशी-खुशी मौत को गले लगा लेते थे। इस प्रकार ढोल की आवाज, मृतप्राय गाँववालों की नसों में संजीवनी शक्ति को भर बीमारी से लड़ने की प्रेरणा देती थी।	
(II)	उत्तर-राजा साहब के समय में आई शिथिलता दूर हो गई। नए राजकुमार के गद्दी सँभालने पर व्यवस्था बदल गई। राजकुमार घुडदौड का शौक़ीन होने से मैनेजर के कहने में आकर पहलवान तथा बेटों को महल से फिजूलखर्च कह कर निकल दिया।	
(III)	उत्तर- लुट्टन सिंह अपने पुत्रों को समझाता कि ढोल की आवाज़ पर पूरा ध्यान देना, मेरा गुरु कोई पहलवान नही, यही ढोल है।दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोल को प्रणाम करना।	
प्रश्न 8.	निम्नलिखित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 के उत्तर दीजिए।	3+3=6

(I)	उत्तर:- कहानी में लुट्टन के जीवन में अनेक परिवर्तन आए – 1. माता-पिता का बचपन में देहांत होना। 2. सास द्वारा उसका पालन-पोषण किया जाना और सास पर हुए अत्याचारों का बदला लेने के लिए पहलवान बनना। 3. बिना गुरु के कुश्ती सीखना। ढोलक को अपना गुरु समझना। 4. पत्नी की मृत्यु का दुःख सहना और दो छोटे बच्चों का भार संभालना। 5. जीवन के पंद्रह वर्ष राजा की छत्रछाया में बिताना परंतु राजा के निधन के बाद उनके पुत्र द्वारा राजमहल से निकाला जाना। 6. गाँव के बच्चों को पहलवानी सिखाना। 7. अपने बच्चों की मृत्यु के असहनीय दुःख को सहना। 8. महामारी के समय अपनी ढोलक द्वारा लोगों में उत्साह का संचार करना।	
(II)	उत्तर:- गाँव में महामारी और सूखे के कारण निराशाजनक माहौल तथा मृत्यु का सन्नाटा छाया हुआ था। इसी प्रकार का सन्नाटा पहलवान के मन में अपने बेटों की मृत्यु के कारण छाया था। ऐसे दुःख के समय में पहलवान की ढोलक निराश गाँव वालों के मन में उमंग जगाती थी। ढोलक जैसे उन्हें महामारी से लड़ने की प्रेरणा देती थी। इसलिए शायद गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान महामारी को चुनौती, अपने बेटों का दुःख कम करने और गाँव वालों को लड़ने की प्रेरणा देने के लिए ढोल बजाता रहा।	
(III)	उत्तर:- 1. पहले मनोरंजन के नवीनतम साधन अधिक न होने के कारण कुश्ती को मनोरंजन का अच्छा साधन माना जाता था इसलिए राजा-महाराजा कुश्ती के दंगलों का आयोजन करते रहते थे। जैसे-जैसे मनोरंजन के नवीन साधनों का चलन बढ़ता गया वैसे-वैसे कुश्ती की लोकप्रियता घटती गई और फिर पहले की तरह राजा-महाराजा भी नहीं रहे जो इस प्रकार के बड़े दंगलों का आयोजन करते। 2. आज कुश्ती के स्थान आधुनिक खेल, क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस आदि खेलों ने ले लिया। 3. कुश्ती को फिर से लोकप्रिय बनाने के लिए हमें एक बार पुन: कुश्ती के दंगल,पहलवानों को उचित प्रशिक्षण, उनके खान-पान का उचित ख्याल, खिलाड़ियों को उचित धनराशि तथा नौकरी में वरीयता,खेल का मीडिया में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार आदि कुछ उपाय कर सकते हैं।	